~ मेरी कहानी ~

ट्रेन के रफ्तार के साथ मैं यह महसूस करती है कि हमारी जीवन भी ऐसी तरह एक यात्रा है, जिसमें उतार-चढ़ाव होता है, फिर भी प्रकृति अपनी सुंदरता को नहीं छोड़ता है। हवा ठंडक थी। सर्दी दस्तक देने लगी थी। ठंडी मौसम मुझे एक जादुई दुनिया में लेकर गई।

वह दिन मेरे ज़िंदगी को बुरा करदिया। मेरे माँ, बाप और छोटी बहन। अब मेरे साथ नहीं है। मुझे नहीं पता है क्यों ईश्वर मेरेलिए ऐसी व्यवहार करती है। सिर्फ ग्यारह साल आयू हुई मैं और मेरे प्यारी परिवारों की यादों... सभी मेरे मन को टूट करलिए। मेरे साथ एक सहारा होने केलिए भी कोई भी नहीं थी। मेरे मन मुझे ये पूछता है कि- मैं कौन हूँ ?। बारिश आते समय मैं अकेला अपने कमरे में सोता था। मेरे साथ सिर्फ एक तकिया और कंबल थी। डर से जीवन करनेवाले उस दिनों मेरेलिए बहुत बुरा थी। वो सोचने को भी मुझे ताकत नहीं है।

एकदिन मेरे सपना में माँ आई और मुझे ऐसा बोला कि तुम ताकत से जीना और तुम्हारे साथ हम हूँ और तुम्हारे

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി..................
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

सत्य सभी समय ईश्वर है। तुम्हे प्यार न करनेवाले लोगों के सामने एक नई व्यक्ति बनकर जीवन में जीतकर, ताकत से चलना चाहिए। तुम्हारे जिंदगी अभी तुम्हारे हाथ में हैं। कोई बातों याद न करो और सीधे देखो, तुम्हारे सामने एक लंबी रास्ता है। उस रास्ते की दरवाजा खोलना चाहिए। आगे चलना चाहिए। तुम्हारे रास्ता में सहारा देनेवाली सभी लोगों को याद करना चाहिए और कठिनाईओं को ताकत और हिम्मत से हटना चाहिए। तभी तुम्हारा जिंदगी अच्छा बन जाएगा। इस वाक्यों मुझे ताकत ~~का~~ और आगे चलने का हिम्मत देदिए।

साल-साल के बाद, मैं दिल्ली मैं में चलीगई और एक काम ढूँढने को शुरू करदिया। तो मुझे एक 'होटल' में काम मिलाया। सभी दिन मैं पैदल चलकर काम करदिया और बहुत सारी पैसा कमाया। मेरे प्यारी माँ-पिता की इच्छा थी– मुझे एक डॉक्टर बनना। मुझे अब एक ही लक्ष्य है– बहुत सारी पैसा कमाना और पढाई शुरू करना।

एक दिन... जो मेरे जिंदगी को उलटा बनाई। सभी दिनों के समान मैं काम करने को जा

रहा था तो मैंने वो दुरघटना देखा। एक नन्हे, छोटे लड़कि सड़क पार करने के समय दौड़ा और एक उसी समय एक कार दूसरी ओर से आ रहा था। मुझे उस लड़की को देखकर मेरे बहन के समान लगाया और मैंने जल्दी उस लड़की को पकड़ लिए। उस बच्ची की माँ रोते हुए मेरे पास आया और मुझे शुक्रिया बोला और मुझे मेरे नाम और परिवारों के बारे में पूछा। मौंने मेरे ज़िंदगी की कहानी बोला तो उसी माँ मुझे साथ आने को बोला। मुझे उसकि पहला बेटा मानकर उसकि ज़िंदगी में स्वागत करलिए।

मेरे ज़िंदगी अभी बहुत खुशी है। मुझे अब एक माता है, पिता है, और एक छोटे सुंदर बहन है। जब मे बहुत खुशी से वो परिवारों के साथ एक हिस्सा बनाया तो मेरे इच्छाओं मानकर वो माता-पिता मुझे पढ़ाई करने को भेजा। लेकिन मुझे अब एक नई इच्छा है। मुझे मेरे बहन को एक अच्छी आदमी बनना चाहिए और उसे एक अध्यापक बनना चाहिए। मेरे पढ़ाई के साथ में मेरी बहन को भी ~~खि~~ सिखाया और उसकी पढ़ाई में मदद करलिया।

साल-साल बहुत तेज़ से बदल गई। मेरी

बहन की स्नातक दिन आ गई। उस दिन मेरे परिवार को बहुत खुशी था। मैंने मेरे पास तैयार करलिए पैसा से उसे एक नई कपडा खींचकर देदिया और उसकि चेहरा में आई खुशी मुझे बहुत खुश बनाई। मुझे मेरे जिंदगी के पहले उसको एक अच्छे आदमी बनकर एक अच्छी आदमी को ढूँढकर शादी करने का इच्छा थी।

कई दिनों के बाद एक दिन। मेरे बहन अब एक अध्यापिका है। वो सभी बच्चों को ~~ख~~ सिखाता है और उसकी उन्नमन मुझे बहुत खुश देदिया। मैंने एक दिन काम कर रहा था। तभी समय एक जवान ने कुछ बच्चों के साथ मैं काम करनेवाले आस्पताल आई। मुझे वो देखकर बहुत अतिशय हुआ। जब मैं उस जवान के साथ बातचीत करलिया तो मैंने ये समझलिया कि वो एक अध्यापक है और जब उसकि स्कूल में आग छाई हुआ तो उसने ताकत से उसी बच्चों को सहारा देदिया। ये सुनकर मुझे बहुत खुश हुई। ऐसी एक दिन था मैं अपने बहन को सहारा देदिया। मुझे एक इच्छा आया कि वो मेरी बहन को बहुत सहारा देता है और सुरक्षित कर देता है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

उस दिन रात मैंने मेरी माँ-पिता को उसके बारे में बोला तो वो बहुत खुशी से बोला कि सभी तुम्हारा इच्छा के अनुसार करना चाहिए। वे सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने मेरी बहन और उस आदमी के बीच शादी करलिए और मेरे बहन की चेहरा अब भी ~~मुस्कुरा~~ मुस्कुराते हुए दिखा है।

शादी बहुत गंभीर थी और सभी परिवारें चली गई। अब मेरे घर में माँ-बाप के साथ में ही हूँ। उसे बहुत दुःख थी और उसके साथ खुश भी थी। मुझे अब मेरी बहन के बीच हुई प्यार का गहरा ~~बात~~ पता है। मुझे पता था कि दूर हमारी मन को प्यार के गहरा को समझता है। मुझे सभी दिन उसकी आवाज़ सुनना चाहिए था। इसलिए मैं सभी दिन सुबह उसको फोन करता था।

मेरे सामने सहारा ढूँढकर आनेवाली गरीबी लोगोंको मैं पैसा न कमाकर सेवन देता है। क्योंकि मुझे पता है क्या दर्द है उन लोगों के मन में होती है। मेरे माँ ने एक दिन अस्पताल आया और मेरे साथ काम करनेवाली एक लड़की को उसे बहुत पसंद आई। जब उसने मेरेलिए उसे शादी

करने को बोला तो मैंने कोई और न सोचा और उस लड़की से बातचित करलिया तो हम दोनों को आसपास पसंद आई। मेरी जिंदगी में हुई कठिनाईओं और दुर्घटना के बारे में बोला तो उसने नाराज होने के बजाय बोला कि उसको भी मेरे जिंदगी में एक हिस्सा होना चाहिय।

हमारे शादी बहुत जल्दी थी। मेरे माँ-बाप और बहन के बीच हमारे जीवन भी बहुत खुशी थी। आज मैं इस ट्रेन में में बैठने के समय मेरे साथ मेरे प्यारी परिवारे है। मेरे पुराने यादों मेरे मन को बोला कि - मैं कौन हूँ ?। मेरे सपना में अब भी मेरी जीवन से बिछुट हुई बहन और और माँ-बाप की चेहरा है। सभी दिन वो मेरे निंद को खुशी यादों से भरता है। मुझे अब पता है - मैं कौन हूँ ? मैं एक माँ-बाप की सहारा हूँ, एक प्यारी बहन की भाई हूँ, एक समाज की रक्षक हूँ, एक बड़ी सपना देखनेवाली लड़की को अपने जीवन हूँ, और इसके ऊपर मेरे प्यारी माँ की इच्छा के समान एक अच्छे इनसान हूँ। ये मेरा कहानी है, और मेरे प्यारी परिवारे की भी....।